DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 September, 2024

न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग

संदर्भ: *IISc की हालिया न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग प्रगति 16,500 अवस्थाओं में डेटा संसाधित करती है, जिससे AI की दक्षता में सुधार होता है।*

अवलोकन:

- आईआईएससी का नया एनालॉग कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म 16,500 अवस्थाओं में डेटा संग्रहीत और संसाधित करता है, जो डिजिटल सीमाओं को पार करता है।
- नए मस्तिष्क-प्रेरित प्लेटफ़ॉर्म से व्यक्तिगत उपकरणों पर जटिल AI कार्य संभव हो सकते हैं, जिससे AI विकास को सर्वसुलभ बनाया जा सकेगा।
- **न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग** ऐसे कंप्यूटरों का डिजाइन तैयार करती है जो कृत्रिम न्यूरॉन्स और सिनेप्स का उपयोग करते हुए मस्तिष्क प्रणालियों का अनुकरण करते हैं।
- 1980 के दशक में शुरू की गई न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग मानव मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र की नकल करती है।
- **प्रौद्योगिकी आधार** : इसमें मानव मस्तिष्क के समान सूचना को संसाधित करने के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (एएनएन) और स्पाइकिंग तंत्रिका नेटवर्क (एसएनएन) शामिल हैं।
- **कार्यप्रणाली** : कृत्रिम न्यूरॉन्स का उपयोग करके संकेतों को परतों में भेजा जाता है, तथा विद्युत स्पाइक्स के माध्यम से इनपुट को आउटपुट में परिवर्तित किया जाता है।

न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग का महत्व

- **ऊर्जा दक्षता** : अलग-अलग मेमोरी और प्रोसेसिंग इकाइयों का उपयोग करता है, न्यूरोमॉर्फिक सिस्टम दोनों कार्यों को एकीकृत करता है, जिससे ऊर्जा और समय में काफी कमी आती है।
- **एआई में प्रगति** : कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बढ़ती कम्प्यूटेशनल मांगों को पूरा करते हुए जटिल एआई कार्यों के अधिक कुशल प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करता है।
- **तकनीकी क्रांति** : कंप्यूटर इंजीनियरिंग और एआई में तेजी से विकास को बढ़ावा देती है, सूचना प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी को बढ़ाती है।

आईआईएससी की हालिया सफलता

- **नवप्रवर्तन** : एक मस्तिष्क-प्रेरित एनालॉग कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म जिसमें आणविक फिल्म (molecular film) में 16,500 चालकता अवस्थाएं हैं।
- **संभावित प्रभाव** : व्यक्तिगत उपकरणों पर जटिल AI कार्यों को सक्षम किया जा सकेगा, जिससे AI विकास का लोकतंत्रीकरण होगा।
- **मॉलिक्यूलर सिस्टम**: "मॉलिक्यूलर डायरी" का उपयोग करके अणुओं की गतिविधियों को सटीक वोल्टेज पल्स के साथ विद्युत संकेतों में परिवर्तित करता है, जो ScN (एक अर्धचालक सामग्री) के माध्यम से एक सिनेप्स की नकल करता है।
- **व्यावहारिक प्रदर्शन:** पारंपरिक सिस्टम की तुलना में कम समय और ऊर्जा का उपयोग करके एक टेबलटॉप कंप्यूटर पर सफलतापूर्वक जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की "पिलर्स ऑफ क्रिएशन" छवि को पुनः निर्मित किया।

व्यापक निहितार्थ

- **औद्योगिक और रणनीतिक प्रभाव** : भारत में एआई हार्डवेयर को रूपांतरित कर सकता है, जिससे देश वैश्विक प्रौद्योगिकी नवाचार में अग्रणी बन सकता है।
- **भविष्य की दिशा:** IISc का लक्ष्य पूरी तरह से स्वदेशी एकीकृत न्यूरोमॉर्फिक चिप विकसित करना है, जिसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा समर्थन प्राप्त है।
- **राष्ट्रीय महत्व** : यह सफलता भारत सेमीकंडक्टर मिशन के संदर्भ में औद्योगिक, उपभोक्ता और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण क्षमता रखती है।

रोहिंग्या शरणार्थी

संदर्भ:*हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा रोहिंग्या घुसपैठ की उपेक्षा के लिए झारखंड की गठबंधन सरकार की आलोचना की गयी है।*

अवलोकन:

- केंद्रीय गृह मंत्रालय और यूआईडीएआई ने घुसपैठ के कारण जनजातीय आबादी में 16% की गिरावट की सूचना दी है।

रोहिंग्या कौन हैं?

- **जातीय पृष्ठभूमि** : म्यांमार के रखाइन राज्य के मूल निवासी, रोहिंग्या एक मुस्लिम इंडो-आर्यन समूह हैं, जिनकी ऐतिहासिक जड़ें 15वीं शताब्दी से इस क्षेत्र में हैं।
- **सरकार का रुख** : म्यांमार रोहिंग्याओं को बांग्लादेश से आए अवैध अप्रवासी मानता है तथा उन्हें नागरिकता और बुनियादी अधिकारों से वंचित करता है।
- **उत्पीड़न** : रोहिंग्या दुनिया के सबसे अधिक सताए जाने वाले अल्पसंख्यकों में से हैं, जो व्यवस्थित हिंसा और नरसंहार से पीड़ित हैं।
- **जनसंख्या** : 2015 के संकट से पहले लगभग 1.1 से 1.3 मिलियन रोहिंग्या थे, वर्तमान में भारत में लगभग 40,000 इनकी संख्या है।
- रोहिंग्या शरणार्थी संकट में म्यांमार से रोहिंग्या मुसलमानों का बड़े पैमाने पर पड़ोसी देशों, जिनमें बांग्लादेश, मलेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं, की ओर पलायन शामिल है।

संकट की समयरेखा-

2012

- रखाइन बौद्धों और रोहिंग्या मुसलमानों के बीच संघर्ष में 88 लोग मारे गए, 90,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए और 2,500 घर जला दिए गए।

2015

- रोहिंग्याओं के व्यवस्थित अलगाव के कारण बड़े पैमाने पर समुद्री मार्ग से पलायन हुआ। लगभग 25,000 रोहिंग्याओं को जर्जर नावों में भरकर तस्करी के लिए ले जाया गया, जिनमें से कई की रास्ते में ही मौत हो गई।

2016-17

- सैन्य आक्रामकता बढ़ने से गांवों में आग लग गई और व्यापक स्तर पर मानवाधिकारों का हनन हुआ। करीब 92,000 रोहिंग्या विस्थापित हुए, जिनमें सामूहिक बलात्कार और हत्याओं सहित काफी हिंसा हुई।

रोहिंग्याओं की कानूनी स्थिति

- **नागरिकता** : रोहिंग्या राज्यविहीन हैं, उन्हें म्यांमार सरकार से कोई औपचारिक मान्यता या नागरिकता का दर्जा नहीं मिला है।
- **पहचान पत्र** : अस्थायी सफेद कार्ड से कुछ अधिकार प्राप्त थे लेकिन 2015 में इन्हें रद्द कर दिया गया।
- **जनगणना संबंधी मुद्दे** : 2014 में संयुक्त राष्ट्र की जनगणना में शुरू में रोहिंग्या के रूप में पंजीकरण की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में बंगाली के रूप में पहचान की आवश्यकता पड़ी।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

शरणार्थी संकट से निपटने के लिए क्या किया जा रहा है?

➢ संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया

- **कोफी अन्नान आयोग** : इसके द्वारा अगस्त 2016 में स्थापित, तनाव कम करने और विकास को समर्थन देने के लिए समाधान प्रस्तावित किया गया।
- **अंतिम रिपोर्ट** : सांप्रदायिक तनाव को दूर करने और विकास को समर्थन देने के लिए सिफारिशों के साथ 23 अगस्त, 2017 को प्रस्तुत की गई।

➢ आसियान प्रतिक्रिया

- **समन्वय का अभाव** : आसियान की ओर से कोई एकीकृत प्रतिक्रिया नहीं आई है, संकट से निपटने में क्षेत्रीय विभाजन है।
- **व्यक्तिगत प्रतिक्रियाएँ** :
  - **मलेशिया** : शुरू में शरण देने से इनकार कर दिया लेकिन बाद में अस्थायी सहायता प्रदान की।
  - **इंडोनेशिया** : अस्थायी शरण पर सहमति।
  - **थाईलैंड** : मानवीय सहायता प्रदान की और नौकाओं को प्रवेश की अनुमति दी।

➢ बांग्लादेश

- **सरकार का रुख** : रोहिंग्याओं की आलोचना की गई, पंजीकृत शरणार्थियों को स्थानांतरित किया गया, तथा शरणार्थियों को दूरदराज के द्वीपों पर ले जाने की योजना बनाई गई।
- **स्थानांतरण** : प्रारंभिक योजना थेंगर चार द्वीप पर ले जाने की थी, बाद में, हटिया द्वीप का चयन किया गया।

➢ संयुक्त राज्य अमेरिका

- **शरणार्थियों का प्रवेश** : रोहिंग्या शरणार्थियों को स्वीकार करने की मंशा व्यक्त की गई; 2002 से अब तक 13,000 म्यांमार शरणार्थियों को स्वीकार किया गया।
- **शिकागो** : अमेरिका में सबसे बड़ी रोहिंग्या आबादी वाला शहर है।

➢ रोहिंग्या शरणार्थियों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया

- **वर्तमान स्थिति** : भारत में लगभग 40,000 रोहिंग्या हैं।
- **सरकारी कार्रवाई** :
  - **राहत प्रयास** : राहत के लिए 2012 में 1 मिलियन डॉलर का दान दिया गया।
  - **निर्वासन योजना** : अगस्त 2017 में 40,000 रोहिंग्याओं को अवैध आप्रवासियों के रूप में निर्वासित करने की योजना बनाई गई।
  - **नीति** : कोई यूएनएचसीआर शरणार्थी शिविर नहीं; केवल तिब्बती और श्रीलंकाई शरणार्थियों के समान सहायता।

नक्सलवाद

संदर्भ: *केंद्र ने मार्च 2026 तक वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के लिए वर्ष 2024-25 आरसीपीएलडब्ल्यूईए फंड को दोगुना कर दिया।*

➢ अवलोकन:

- केंद्र ने वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के लिए वर्ष 2024-25 के लिए वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्क परियोजना (आरसीपीएलडब्ल्यूईए) के फंड को दोगुना कर दिया।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत, आरसीपीएलडब्ल्यूईए नौ राज्यों के 44 महत्वपूर्ण वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में सड़क संपर्क बढ़ाएगा।

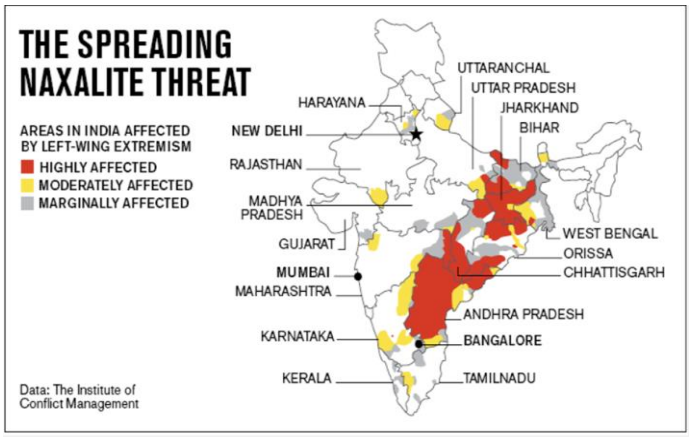

➢ नक्सलवाद क्या है?

- पश्चिम बंगाल के **नक्सलबाड़ी** गांव के नाम पर रखा गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई थी, जब एक किसान पर भूमि विवाद के चलते हमला किया गया था।
- यह आंदोलन पूर्वी भारत में फैल गया, जिससे छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के कम विकसित क्षेत्र प्रभावित हुए।

➢ उद्देश्य:

- नक्सलवादियों का लक्ष्य सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारतीय सरकार को उखाड़ फेंकना है।
- उनका लक्ष्य माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना करना है।
- वे राज्य को दमनकारी मानते हैं और केवल सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग की सेवा करने वाला मानते हैं, तथा सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक शिकायतों का समाधान करने का प्रयास करते हैं।

➢ काम करने का ढंग:

- नक्सलवादी समूह गुरिल्ला युद्ध, सुरक्षा बलों पर हमले, जबरन वसूली और दुष्प्रचार में संलग्न रहते हैं।
- वे सशस्त्र विद्रोह, जन-आंदोलन और रणनीतिक गठबंधनों के संयोजन के माध्यम से राज्य की सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं।
- उनके लक्ष्यों में सरकारी संस्थान, बुनियादी ढांचा, आर्थिक हित और कथित सहयोगी शामिल हैं।
- नक्सलवादी अक्सर नियंत्रित क्षेत्रों में समानांतर शासन संरचनाएं स्थापित करते हैं, बुनियादी सेवाएं प्रदान करते हैं और न्याय प्रशासन करते हैं।

➢ भारत में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) की वर्तमान स्थिति:

- नक्सलवाद प्रभावित राज्यों में हिंसक घटनाओं में 2010 की तुलना में 77% की कमी आई तथा प्रभावित जिलों की संख्या 90 से घटकर 45 हो गई।
- वामपंथी उग्रवाद हिंसा के कारण सुरक्षा बलों और नागरिकों की मृत्यु में 2010 की तुलना में 2022 में 90% की कमी आई है।

➢ वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य:

- नक्सलवाद से प्रभावित राज्यों में छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल शामिल हैं।
- लाल गलियारा मध्य, पूर्वी और दक्षिणी भारत का वह क्षेत्र है जो गंभीर नक्सलवादी-माओवादी विद्रोह का अनुभव करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 September, 2024

नक्सलवाद के विरुद्ध सरकारी पहल

- **राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना (2015):** वामपंथी उग्रवाद से समग्र दृष्टिकोण से निपटने के लिए तैयार की गई एक व्यापक रणनीति।
- **समाधान:** विभिन्न पहलों के माध्यम से नक्सलवाद से निपटने के लिए प्रभावी उपायों पर केंद्रित एक विशिष्ट रणनीति बनाया जाना चाहिए।
- **आकांक्षी जिला कार्यक्रम:** इसका उद्देश्य विकास और शासन पर ध्यान केंद्रित करके नक्सलवाद से गंभीर रूप से प्रभावित जिलों की स्थिति में सुधार करना है।
- **सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना:** यह योजना सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण और परिचालन आवश्यकताओं, पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह भुगतान, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराती है।
- **विशेष केन्द्रीय सहायता (एससीए):** इसका लक्ष्य सबसे अधिक प्रभावित जिलों में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सेवाओं में महत्वपूर्ण अंतराल को भरना है।
- **किलेबंद पुलिस स्टेशनों की योजना:** इस योजना के अंतर्गत सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 604 किलेबंद पुलिस स्टेशनों का निर्माण किया गया है।
- **वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्क परियोजना (आरसीपीएलडब्ल्यूई): इसका** उद्देश्य विकास को सुविधाजनक बनाने और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में सड़क संपर्क में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ओणम

हाल ही में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने ओणम के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं।

ओणम के बारे में:

- ओणम केरल में मनाया जाने वाला एक प्रमुख फसल उत्सव है।
- यह 10 दिवसीय उत्सव है जो पौराणिक राजा महाबली की घर वापसी का सम्मान करता है, जिन्होंने केरल में शांति और समृद्धि लाई थी।
- यह चिंगम के महीने में मनाया जाता है, जो मलयालम कैलेंडर का पहला महीना है और आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर पर अगस्त-सितंबर में पड़ता है।
- यह केरल के तीन प्रमुख त्योहारों में से एक है, अन्य दो विशु और तिरुवथिरा हैं।
- यह त्योहार पुष्प डिजाइन (पुक्कलम), पारंपरिक दावतों (ओना सद्या), नाव दौड़ (वल्लम काली), बाघ नृत्य (पुलिकली), मुखौटा नृत्य (कुमट्टिकली), मार्शल आर्ट (ओनाथल्लू) और समूह नृत्य (कैकोट्टिकली) के साथ मनाया जाता है।

अष्टमुडी झील

हाल ही में, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सूचित किया कि अष्टमुडी झील में चार स्थानों पर पानी की गुणवत्ता पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के अनुसार स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता मानदंड को पूरा नहीं करती है।

अष्टमुडी झील के बारे में:

- अष्टमुडी झील, जिसे अष्टमुडी कयाल के नाम से भी जाना जाता है, केरल के कोल्लम जिले में एक झील है।
- यह केरल की दूसरी सबसे बड़ी झील है और इसे "केरल बैकवाटर्स का प्रवेश द्वार" के रूप में जाना जाता है।
- यह झील अपने हाउसबोट राइड्स और बैकवाटर रिसॉर्ट्स के लिए प्रसिद्ध है और यह कई पौधों और पक्षियों की प्रजातियों का घर भी है।
- अष्टमुडी नाम मलयालम शब्दों अष्टा जिसका अर्थ है "आठ" और मुडी जिसका अर्थ है "चोटियाँ" या "शाखाएँ"।
- झील में आठ भुजाएँ या चैनल हैं और इसका आकार ताड़ के आकार और ऑक्टोपस के आकार दोनों के रूप में वर्णित किया गया है।
- यह एक अद्वितीय आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र है जो मीठे पानी और खारे पानी को मिलाता है, जिससे यह जैव विविधता का हॉटस्पॉट बन जाता है।
- यह झील कल्लदा नदी से पोषित होती है, जो पश्चिमी घाट से निकलती है।
- 2012 में, अष्टमुडी झील को रामसर साइट, अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि नामित किया गया था।

लोक अदालत

हाल ही में, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) द्वारा आयोजित तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान एक करोड़ से अधिक मामलों का निपटारा किया गया।

लोक अदालत के बारे में:

- लोक अदालत, जिसे पीपुल्स कोर्ट के नाम से भी जाना जाता है, वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र है जो अदालत में या मुकदमे से पहले मामलों को निपटाने में मदद करता है।
- यह भारत की न्यायिक प्रणाली का एक हिस्सा है और इसका उद्देश्य सौहार्दपूर्ण तरीके से निष्पक्ष और सरल न्याय प्रदान करना है।
- लोक अदालत का उपयोग लंबित अदालती मामलों, संभावित विवादों, सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं के लिए अनिवार्य पूर्व-मुकदमेबाजी और पारिवारिक विवादों के लिए किया जा सकता है।
- इसे विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत वैधानिक दर्जा दिया गया है।
- लोक अदालतें कई तरह की होती हैं, जिनमें नियमित लोक अदालतें और दैनिक लोक अदालतें शामिल हैं।
- पहला लोक अदालत शिविर 1982 में गुजरात में आयोजित किया गया था
- लोक अदालत के पास वही शक्तियां होंगी जो सिविल प्रक्रिया संहिता (1908) के तहत सिविल कोर्ट में निहित हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

चामरान-1 उपग्रह

हाल ही में, ईरान ने चामरान-1 अनुसंधान उपग्रह लॉन्च किया, जो पश्चिमी आलोचनाओं के बीच अपने एयरोस्पेस कार्यक्रम में एक उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है।

चामरान-1 उपग्रह के बारे में:

- चामरान-1 उपग्रह परीक्षण उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया एक अनुसंधान उपग्रह है।
- चामरान-1 का प्राथमिक उद्देश्य कक्षीय पैंतरेबाज़ी प्रौद्योगिकी से संबंधित हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर सिस्टम का परीक्षण करना है।
- लगभग 60 किलोग्राम वजन वाले चामरान-1 उपग्रह को ग़ैम-100 वाहक रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया गया था।
- इसे ईरानी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्रीज द्वारा डिज़ाइन और निर्मित किया गया था, जो ईरान के रक्षा मंत्रालय से संबद्ध है।

समाचार में स्थान

लाओस

भारत ने 15 सितंबर को लाओस, म्यांमार और वियतनाम को मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) प्रदान करने के लिए ऑपरेशन सद्भाव शुरू किया, जो टाइफून यागी के कारण गंभीर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

लाओस (राजधानी: वियनतियाने)

स्थान: लाओस, जिसे आधिकारिक तौर पर लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के नाम से जाना जाता है, दक्षिण-पूर्व एशिया का एकमात्र भूमि से घिरा हुआ देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: लाओस की सीमाएँ वियतनाम (पूर्व और उत्तर-पूर्व), थाईलैंड (पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम), चीन (उत्तर), म्यांमार (उत्तर-पश्चिम) और कंबोडिया (दक्षिण) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- लाओस का सबसे ऊँचा स्थान फू बिया है।
- लाओस की प्रमुख नदियों में मेकांग नदी शामिल है, जो पश्चिमी सीमा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाती है, और नाम ओउ नदी, जो मेकांग की एक मुख्य सहायक नदी है।
- एनामाइट रेंज वियतनाम के साथ पूर्वी सीमा पर चलती है।
- लाओस में कोयला, बॉक्साइट, टिन, तांबा और सोना सहित महत्वपूर्ण खनिज संसाधन हैं।
- लाओस में उष्णकटिबंधीय मानसून जलवायु है।

POINTS TO PONDER

- सीलैकैंथ क्या हैं? – **गहरे समुद्र की मछली**
- व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) योजना का उद्देश्य क्या है? – **नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन**
- असम कैस्केड या पहाड़ी धारा मेंढक कहां का स्थानिक है – **भारत, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के हिमालयी क्षेत्र**
- INDUS-X पहल किस देश के साथ स्थापित की गई? **– यूएसए (भारत-यूएस रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र)**
- ज़ोरावर टैंक का विकास किसने किया? – **डीआरडीओ और एलएंडटी**